1080517 - C1

विद्यार्थी उत्तर-पुस्तिका में मुख पृष्ठ पर कोड नं. अवश्य लिखें।

Class - X
कक्षा - X

HINDI
हिन्दी

(Course B)
(पाठ्यक्रम ब)

निर्धारित समय : **3** घंटे] [अधिकतम अंक : **80**

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **14** हैं।
- प्रश्न-पत्र में बाएँ हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **18** प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए **15** मिनट का समय दिया गया है। इस अवधि के दौरान छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं — **क, ख, ग** और **घ**।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर **क्रमानुसार** - दीजिए।

खंड 'क'

1. बाधाएँ आती हैं आएँ, घिरे प्रलय की घोर घटाएँ
पाँव के नीचे अंगारे, सिर पर बरसे यदि ज्वालाएँ
निज हाथों से हँसते हँसते, आग लगाकर जलना होगा
कदम मिलाकर चलना होगा।
उजियारे में अंधकार में, कल कछार में, बीच धार में,
घोर घृणा में, पूत प्यार में, क्षणिक जीत में, दीर्घ हार में,
जीवन के शत-शत आकर्षक अरमानों को दलना होगा।
कदम मिलाकर चलना होगा।

उपर्युक्त काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढकर सही विकल्प को चुनकर लिखिए।

(1) बाधाएँ आती हैं आएँ ..... पंक्ति का भाव है - **1**

(क) जीवन में कठिन से कठिन परिस्थिति आना

(ख) लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए मार्ग में रुकावटें आना

(ग) प्राकृतिक संकट आना

(घ) अभिष्ट मार्ग पर चलते हुए रुकावटों की परवाह न करना

(2) घोर घटाएँ में अलंकार हैं **1**

(क) अनुप्रास

(ख) उपमा

(ग) श्लेष

(घ) यमक

(3) हँसते हँसते अपने हाथों से क्या करना होगा। **1**

(क) आग बुझानी होगी

(ख) आग जलानी होगी

(ग) स्वयं आग लगाकर उसमें जलना होगा

(घ) दूसरों को जलाना होगा

(4) कदम मिलाकर चलना प्रतीक है – **1**

(क) मिलजुल चलना

(ख) लगातार चलना

(ग) कभी न थकना

(घ) कभी न थमना

(5) 'अरमानों को दलना' का आशय है – **1**

(क) इच्छाओं व खुशियों का दमन करना

(ख) इच्छाओं व खुशियों को पूर्ण करना

(ग) खुशियों भरा जीवन

(घ) अरमानों को पूरा करना

2. कर्मों में अधिकार तेरा, मत चिंता कर क्या फल मिलना हैं।
फल जैसा भी हों, तुझको तो निरंतर कर्म ही करना है।
अनचाहा या मनचाहा, जैसा भी हो परिणाम धनंजय
अनासक्त समबुद्धीयुक्त तू नित्य किए जा काम धनंजय
फल पाने की इच्छा से जो किया कर्म तो वह खोटा है
कर्मयोग का शरणागत हो, फल का इच्छुक तो रोता है
समबुद्धियुक्त जो किया कर्म, पर नहीं फलों की अभिलाषा है
पूर्ण कुशलता से करना हर कर्म योग की परिभाषा है।

उपर्युक्त पद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उचित विकल्प चुनकर लिखिए –

(i) कवि ने क्या करने को कहा हैं ? **1**

(क) परिणाम के विषय में सोचने

(ख) ईश्वर से लगन लगाने

(ग) काम करते रहने

(घ) बुद्धि का प्रयोग करने

(ii) कैसा कर्म व्यर्थ बताया गया हैं ? **1**

(क) जो फल की इच्छा से किया गया हो

(ख) जिससे दूसरों का बुरा हो

(ग) जिससे स्वयं को कष्ट पहुँचे

(घ) इनमें से कोई नहीं

(iii) 'कर्मयोग का शरणागत' का क्या भाव है ? **1**

(क) कर्मशील होना

(ख) ईश्वर की शरण में जाना

(ग) योगाभ्यास करना

(घ) उपर्युक्त सभी

(iv) इस काव्यांश से क्या सीख मिलती हैं ? **1**

(क) परिणाम सोचे बिना कार्य नहीं करना चाहिए।

(ख) ऐसा कार्य व्यर्थ हैं, जो दूसरों को कष्ट पहुँचाए।

(ग) नि:स्वार्थ भाव से कर्म करते रहना चाहिए।

(घ) उपर्युक्त सभी

(v) 'कर्मयोग' की परिभाषा है – **1**

(क) मेहनत करना

(ख) परिणाम के विषय में सोचते रहना

(ग) पूर्ण कुशलता से कर्म करना

(घ) उपर्युक्त सभी

3. परेशानियों के बावजूद रोज़ाना थोड़ा हँसने हँसाने का अभ्यास करते रहने से आत्मविश्वास और सुरक्षा की भावना बढ़ती है। इससे न केवल खुद को खुशी महसूस होती हैं, बल्कि आपस में जुड़े सब लोगों में खुशी फैलती हैं। हँसना हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभकारी है, इससे हमारा इम्यून सिस्टम मज़बूत रहता है और बहुत सी बीमारियों से बचाव हो सकता है, लेकिन जरुरत से ज्यादा और अनुचित तरीके से हँसना दूसरों को परेशान कर सकता है। हँसी-मज़ाक से टेंशन रिलीज़ होता है, मन हल्का होता है। हँसते रहने से जीवन की कड़ी वास्तविकताओं, लगातार थकावट का एहसास, अज्ञात डर, तरह-तरह की झुंझलाहट से राहत मिलती है। मन की खुशी और शांति से कार्यशक्ति व सृजनात्मकता बढ़ती है। क्यों न हम आपसी भेदभाव मिटाकर अपने संबंधों को मधुर बनाने की कोशिक करें, ताकि एक-दूसरे से अपने दुख-दर्द, खुशी, अपनी सफलताओं के सुखद अनुभव बाँट सकें और आपसी मेलजोल और आत्मविश्वास के साथ हँसी-खुशी से जी पाएँ।

उपर्युक्त गद्यांश पढकर निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए।

(i) परेशानियों के बावजूद हँसने-हँसाने से क्या बढ़ता है ? **1**

(क) तनाव

(ख) बीमारी

(ग) आत्मविश्वास और सुरक्षा की भावना

(घ) कार्यशक्ति कम, कार्यभार बढाना

(ii) हँसने से क्या लाभ होता हैं ? **1**

(क) बीमारियों से बचाव

(ख) इम्यून सिस्टम मज़बूत

(ग) शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभकारी

(घ) उपर्युक्त सभी

(iii) दूसरों की परेशानी का कारण हो सकता है। **1**

(क) हँसना

(ख) रोना

(ग) जरुरत से ज्यादा या अनुचित ढंग से हँसना

(घ) इनमें से कोई नहीं

(iv) संबंध, मधुर किस प्रकार बनाए जा सकते हैं ? **1**

(क) हँसकर

(ख) रोककर

(ग) आपसी भेदभाव मिटाकर

(घ) आत्मविश्वास बढ़ाकर

(v) टेंशन रिलीज होता है - **1**

(क) हँसी-मज़ाक से

(ख) जरुरत से ज्यादा हँसकर

(ग) खेलने-कूदने से

(घ) आपसी भेदभाव मिटाने से

4. अपठित गद्यांश

एवरेस्ट विजेता बचेन्द्रीपाल सहित 12 महिलाओं के एक अभियान दल ने 18 फरवरी, 2007 को एक ऐतिहासिक विजय पाई। यह अभियान गुजरात के विश्व-प्रसिद्ध रन ऑफ कच्छ की रेतीली दलदल से शुरू होकर राजस्थान के थार मरुस्थल के रेतीलें और अत्यंत दुर्गम मार्गों से होते हुए पंजाब के मैदानों में दाखिल होकर लोकप्रिय एवं प्रसिद्ध भारत-पाक संयुक्त चेक-पोस्ट बाघा पर खत्म होना था। करीब 1800 किलोमीटर का यह लम्बा सफ़र इन बहादुर महिलाओं को पैदल, उँटों पर और घोड़ों पर तय करना था। इतना लम्बा सफ़र - एक महिने का सफ़र और सभी महिलाएँ-एक अनोखा अभियान ! भुज में सीमा सुरक्षा बल की निगरानी में इनका एक प्रशिक्षण शिबिर लगाया गया। समय कम था, तीन दिन में इनको ऊँट से चढ़ने-उतरने से लेकर, उसकी सवारी, सावधानियाँ और लंबे रास्ते में आनेवाली विभिन्न कठिनाइयों से जूझने की कला आदि सब कुछ सीखना

था। रास्ता विश्व के दो सबसे दुर्गम और कठिनतम इलाके 'रन' और 'थार मरुस्थल'से गुज़रना था। यहाँ इनका सामना प्रकृति की विपदाओं और मौसम के साथ-साथ रास्ते में मिलने वाले साँप-बिच्छु और अन्य ज़हरिली चीज़ों से पार पाना इनके प्रशिक्षण का यह भी एक हिस्सा था।

उपर्युक्त गद्यांश पढ़कर सही विकल्प चुनकर लिखिए।

(क) बचेन्द्री पाल की प्रसिद्धी का प्रमुख कारण है - **1**

(i) एवरेस्ट विजय

(ii) थार मरुस्थल पार न कर पाना

(iii) कठिनाइयों से जूझना

(iv) इनमें से कोई नहीं

(ख) यह अभियान शुरू हुआ **1**

(i) पंजाब

(ii) राजस्थान

(iii) गुजरात

(iv) बाघा

(ग) प्रशिक्षण शिबिर कहाँ लगाया गया **1**

(i) भुज

(ii) पंजाब

(iii) बाघा

(iv) गुजरात

(घ) 1800 किलोमीटर का लम्बा सफ़र महिलाओं को पार करना था। **1**

(i) पैदल

(ii) ऊँटों पर

(iii) घोड़ों पर

(iv) उपर्युक्त सभी

(ङ) उनके मार्ग में आनेवाले दो दुर्गम और कठिनतम् इलाके हैं। **1**

(i) थार मरुस्थल, रन ऑफ कच्छ

(ii) बाघा चेकपोस्ट, थार

(iii) रन, पंजाब

(iv) एवरेस्ट और थार

खंड 'ख'

5. (i) शब्द जब वाक्य में प्रयोग किया जाता है, तो उसे कहते हैं - **1**

(क) वर्ण

(ख) पद-परिचय

(ग) वाक्य

(घ) पद

(ii) जो शब्द समान अर्थ प्रकट करे, उसे कहते हैं - **1**

(क) रूढ़ शब्द

(ख) यौगिक शब्द

(ग) एकार्थी शब्द

(घ) पर्यायवाची शब्द

(iii) प्यास का मारा कौआ घड़े पर बैठ गया। रेखांकित पदबंध का भेद है - **1**

(क) संज्ञा

(ख) सर्वनाम

(ग) क्रिया

(घ) विशेषण

(iv) नदी कल-कल करती हुई बह रही है। रेखांकित पदबंध का भेद है - **1**

(क) संज्ञा

(ख) क्रिया-विशेषण

(ग) क्रिया

(घ) सर्वनाम

6. (i) बाज़ार से कुछ गेहूँ ले आना। रेखांकित का पद - परिचय है- **1**

(क) संख्यावाचक विशेषण, बहुवचन, 'गेहूँ' विशेष्य

(ख) निश्चित परिमाणवाचक विशेषण, बहुवचन, 'गेहूँ' विशेष्य

(ग) अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण, 'गेहूँ' विशेष्य

(घ) सर्वनाम, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्मकारक।

(ii) वे खेल रहे हैं। रेखांकित का पदपरिचय है - **1**

(क) उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम, बहुवचन, कर्ताकारक।

(ख) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, बहुवचन, कर्ताकारक।

(ग) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम, बहुवचन, कर्ताकारक।

(घ) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, कर्ताकारक।

(iii) 'परमौज' का संधि - विच्छेद है - **1**

(क) परम + ओज

(ख) परम + औज

(ग) परम् + ओज

(घ) परमो + ओज

(iv) 'दिन+ईश' की संधि है - **1**

(क) दिनीश

(ख) दिनिश

(ग) दिनेश

(घ) दीनेश

7. (i) 'नयन' संधि का भेद हैं - **1**

(क) गुण

(ख) वृद्धि

(ग) यण

(घ) अयादि

(ii) 'मदमस्त' समस्तपद का विग्रह है - **1**

(क) मद और मस्ती

(ख) मद से मस्त

(ग) मद की मस्ती

(घ) मद का मस्त

(iii) 'पढ़ने के लिए सामग्री' का समस्त-पद होगा - **1**

(क) पाठ्य-पुस्तक

(ख) पठ्-सामग्री

(ग) पाठ्य-सामग्री

(घ) पढ़ाई-सामग्री

(iv) निम्नलिखित में से किस समस्त पद में कर्मधारय समास है ? **1**

(क) नीलकंठ

(ख) विद्याधन

(ग) कालसर्प

(घ) उपर्युक्त सभी में

8. (i) वह भागा और पहले पहुँच गया। रचना के आधार पर यह वाक्य का भेद है – 1

(क) सरल

(ख) संयुक्त

(ग) मिश्रित

(घ) विधानवाचक

(ii) जैसे ही वह स्टेशन पहुँचा, गाड़ी चल पड़ी। रचना के आधार पर वाक्य का भेद हैं – 1

(क) सरल

(ख) संयुक्त

(ग) मिश्रित

(घ) संकेतवाचक

(iii) वह नाचता है। वह गाता भी है। इन वाक्यों से बना मिश्रित वाक्य हैं – 1

(क) वह नाचता और गाता है।

(ख) वह नाचता है और वो गाता भी है।

(ग) जो नाचता है, वो गाता है।

(घ) ज़ब वह नाचता है, तब वह गाता भी है।

(iv) वह साइकिल से टकराया। वह गिर गया। इन वाक्यों से बना संयुक्त वाक्य है – 1

(क) वह साइकिल से टकराया और गिर गया।

(ख) वह साइकिल से टकराता है और गिर जाता है।

(ग) वह साइकिल से आया और टकराया और गिर गया ।

(घ) उपर्युक्त सभी।

9. (i) 'जी ललचाना' का अर्थ है – 1

(क) कुछ पाने की तीव्र इच्छा होना

(ख) जी खराब होना

(ग) उल्टी आना

(घ) चक्कर आना

(ii) वानर सेना ने राक्षसों का ..... दिया। उचित मुहावरें से रिक्त स्थान भरिए। 1

(क) नामो निशान तक मिटाना

(ख) सर्वनाश करना

(ग) टूट पड़ना

(घ) उपर्युक्त सभी

(iii) 'खुशी का ठिकाना न रहना' का अर्थ है- **1**

(क) बहुत हँसना

(ख) ठहाका मारना

(ग) कहीं का न रहना

(घ) इन में से कोई नहीं

(iv) कक्षा में प्रथम आने के बाद सुनीला को .....। **1**

उचित मुहावरें से रिक्त स्थान भरिए-

(क) आड़े हाथों लेना

(ख) सुध-बुध खोना

(ग) होश उड़ना

(घ) दिमाग होना

खंड 'ग'

10. फ़िल्म - निर्माता के रूप में शैलेन्द्र की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। **5**

अथवा

बहुत से लोग घायल हुए, बहुतों को लॉकअप में रखा गया, बहुत-सी स्त्रियाँ जेल गई, फिर भी इस दिन को अपूर्व बताया गया है। आपके विचार में यह सब अपूर्व क्यों हैं ? अपने शब्दों में लिखिए।

11. निम्नलिखित में से कोई दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए - **2.5x2=5**

(क) जुलूस और प्रदर्शन को रोकने के लिए पुलिस का क्या प्रबंध था ? 'डायरी का एक पन्ना' पाठ के आधार पर लिखिए।

(ख) 'बड़े भाई साहब' पाठ में कैसे पता चलता है कि छोटा भाई अपने भाई साहब का आदर करता है ?

(ग) वामीरो अपना गाना क्यों भूल गई ?

(घ) शैलेन्द्र के अनुसार कलाकार का क्या कर्तव्य है ?

12. निम्नलिखित में से कोई एक पद्यांश पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उचित विकल्प चुनकर लिखिए–

मोर मुगट पीताम्बर सौहे, गल वैजन्ती माला।
विन्दरावन में धेनु चरावे, मोहन मुरलीवाला
ऊँचा–ऊँचा महल बिच–विच राखूँ बारी।
साँवरिया रा दरसण पास्यूँ, पहर कुसुम्बी साड़ी।
आधी रात प्रभु दरसण, दीज्यो जमनाजी रे तीरां।
मीराँ प्रभु गिरधर नागर, हिवड़ो घणो अधीराँ।

(i) गलें में वैजन्ती फूलों की माला किसने पहनी है? **1**

(क) धेनु
(ख) मीरा
(ग) श्री कृष्ण
(घ) साँवरिया

(ii) मोहन वृंदावन में क्या करते हैं? **1**

(क) फूल तोड़ते हैं
(ख) बाँसुरी बेचते हैं
(ग) भक्तों को दर्शन देते हैं
(घ) गाय चराते हैं

(iii) मीरा कुसुम्बी साड़ी पहनकर क्या करना चाहती है? **1**

(क) ईश्वर के दर्शन पाना
(ख) भजन–कीर्तन करना
(ग) भवन बनाना
(घ) खिड़कियाँ बनाना

(iv) मीरा अपने प्रियतम से कहाँ मिलना चाहती है ? **1**

(क) महल की छत पर
(ख) यमुना नदी के बीच
(ग) यमुना नदी के किनारे पर
(घ) महल के दरवाज़े के पास

(v) मीरा का हृदय व्याकुल क्यों है ? **1**

(क) अपने इष्ट को पाने। मिलने के लिए
(ख) मदन बनाने के लिए
(ग) कुसुम्बी साड़ी पहनने के लिए
(घ) भजन–कीर्तन करने के लिए

अथवा

ऐसी बाँणी बोलिए, मन का आपा खोइ।
अपना तन सीतल करै, औरन कौं सुख होइ।।
सुखिया सब संसार है, खायै अरू सोवै।
दुखिया दास कबीर है, जागै अरू रोवै।।

(i) कबीर ने कैसी वाणी बोलने को कहा है ? **1**

(क) मधुर

(ख) कर्कश

(ग) दुखभरी

(घ) तर्कपूर्ण

(ii) मन का आपा खोने का अर्थ है – **1**

(क) प्रसन्न होना

(ख) क्रोधित होना

(ग) अहंकार रहित होना

(घ) दुखी होना

(iii) 'खायै और सोवै' का अर्थ है – **1**

(क) खाकर सो जाना

(ख) दिनचर्या के कार्य करना

(ग) खाना और सोना

(घ) जीवन जीना

(iv) कबीर के दुख का कारण है – **1**

(क) दुनिया की अज्ञानता

(ख) दुनिया का दुख

(ग) दुनिया का अत्यधिक खाना और सोना

(घ) इनमें से कोई नहीं

(v) 'दुखिया दास' में अलंकार हैं – **1**

(क) उत्प्रेक्षा

(ख) पुनरुक्ति

(ग) उपमा

(घ) अनुप्रास

13. (क) तोप की वर्तमान स्थिति क्या है ? 2

(ख) 'है टूट पड़ा भू पर अंबर' का भाव स्पष्ट कीजिए। 2

(ग) कौन सा दीपक दिखाई देने पर कैसा अंधकार मिट गया ? 1

14. हरिहर काका के परिवार के बारे में बताइए। 3

अथवा

महंत जी ने हरिहर काका को क्या समझाया ?

15. हरिहर काका को लेकर गाँववासी दो वर्गों में बँट गए थे। इनके हरिहर काका के बारे में क्या विचार थे और क्यों ? 2

16. निम्नलिखित में से किसी एक गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

'तुमने एकाएक इतना मधुर गाना अधुरा क्यों छोड़ दिया ?' तताँरा ने विनम्रतापूर्वक कहा। अपने सामने एक सुंदर युवक को देखकर वह विस्मित हुई। उसके भीतर किसी कोमल भावना का संचार हुआ। किंतु अपने को संयतकर उसने बेरुखी के साथ जवाब दिया। ''पहले बताओ ! तुम कौन हो, इस तरह मुझे घूरने और इस असंगत प्रश्न का कारण'' ? अपने गाँव के अलावा किसी और गाँव के युवक के प्रश्नों का उत्तर देने को मैं बाध्य नहीं। यह तुम भी जानते हो। तताँरा मानो सुधबुध खोए हुए था। जवाब देने के स्थान पर उसने पुन: अपना प्रश्न दोहराया। ''तुमने गाना क्यों रोक दिया ? गाओ, गीत पूरा करो। सचमुच तुमने सुरीला कंठ पाया हैं।''

(i) तताँरा ने युवत से क्या पूछा ? 1

(ii) तताँरा अपनी सुधबुध क्यों खोए हुए था ? 1

(iii) युवती के भीतर कोमल भावना का संचार क्यों हुआ ? 1

(iv) युवती ने तताँरा को बेरुखी के साथ क्या जवाब दिया ? 2

अथवा

दैव न करे, आज मैं बीमार हो जाऊँ, तो तुम्हारे हाथ-पाँव फूल जाएँगे। दादा को तार देने के सिवा तुम्हें कुछ न सुझेगा, लेकिन तुम्हारी जगह दादा हों, तो किसी को तार न दें, न घबराएँ, न बदहवास हों। पहले खुद मरज पहचानकर इलाज करेंगे, उसमें सफल न हुए तो किसी डॉक्टर को बुलाएँगे। बीमारी तो खैर बड़ी चीज़ है। हम-तुम तो इतना भी नहीं जानते कि महिने-भर का खर्च महिना-भर कैसे चले। जो कुछ दादा भेजते हैं, उसे बीस-बाइस दिन तक खर्च कर डालते हैं और फिर पैसे-पैसे को मोहताज हो जाते हैं। नाश्ता बंद हो जाता है, धोबी और नाई से मुँह चुराने लगते हैं। लेकिन जितना हम-और तुम आज खर्च कर रहे हैं, उसके आधे में दादा ने अपनी उम्र का बड़ा भाग इज़्ज़त और नेकनामी के साथ निभाया है और कुटुम्ब का पालन किया है, जिसमें सब मिलाकर नौ आदमी थे।

(i) किसके हात-पाँव फूलने की बात की गई है और क्यों ? 1

(ii) वे पैसे-पैसे के मोहताज क्यों हो जाते और पैसा खत्म होने पर उनकी क्या स्थिति होती ? 2

(iii) दादा के बारे में क्या-क्या बताया गया है ? 2

खंड 'घ'

पत्र-लेखन

17. दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए - **5**

(क) **आधुनिक जीवन में मोबाइल** -

- आज की आवश्यकता,
- युवाओं में बढ़ती मोबाइल होड
- हानियाँ
- सुझाव

(ख) **अशिक्षा की समस्या** -

- भारत में अशिक्षा की समस्या
- अशिक्षा के कारण
- प्रभाव
- समस्या का उन्मूलन
- सरकारी प्रयास
- जनता का दायित्व

(ग) **जब मैंने कम्प्यूटर से टिकट खरीदा** -

- इंटरनेट द्वारा,
- साइट खोलना
- विवरण देना
- भुगतान विधि
- टिकट तैयार

18. अपने अशोभनीय व्यवहार के लिए क्षमा-याचना करते हुए प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए **5**

अथवा

मनिआर्डर न पहुँचने की शिकायत करते हुए डाकपाल को पत्र लिखिए।

- o O o -